**Daily Covid-19 Updates**

**23 June, 2020**

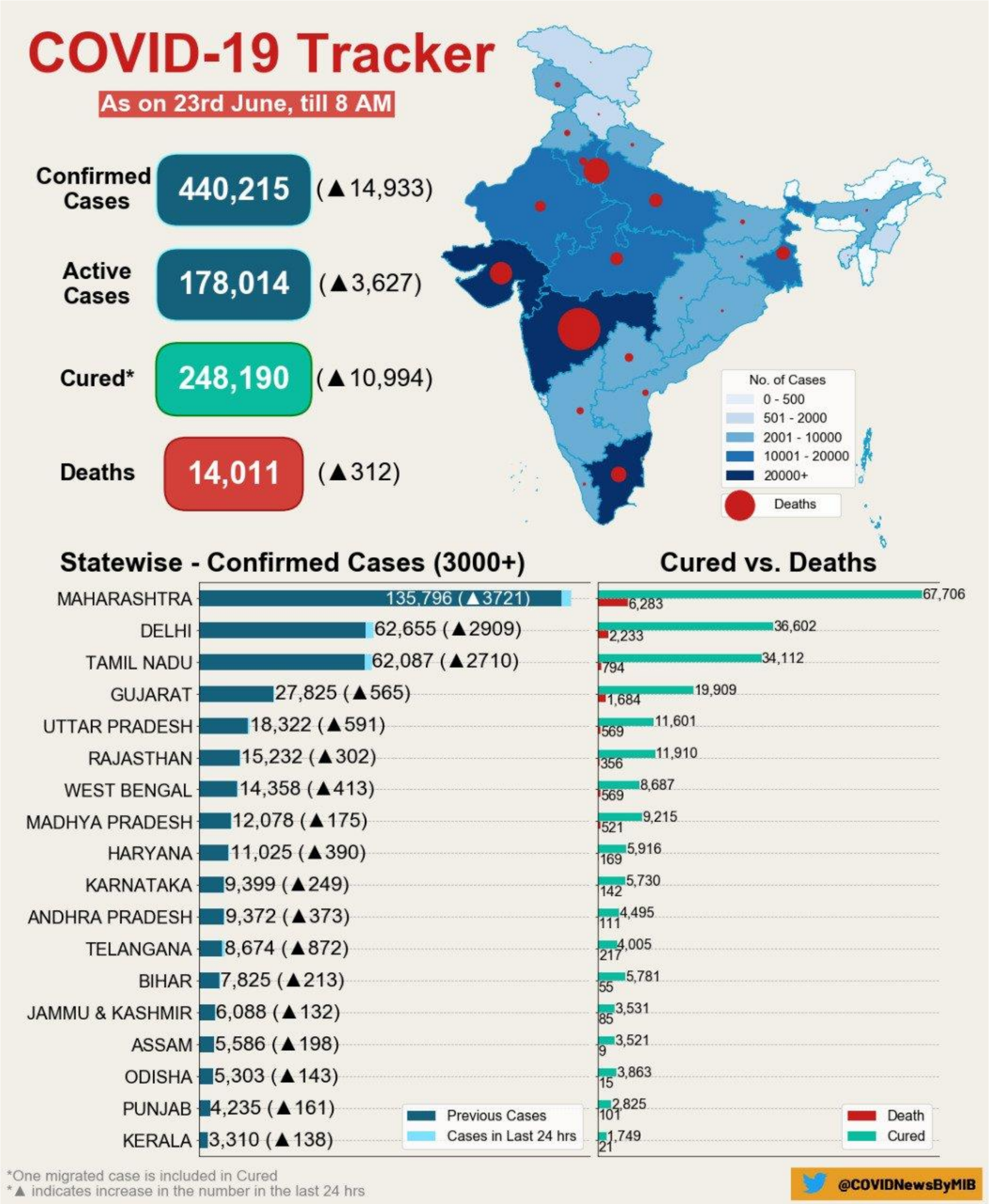

COVID-19 Tracker
As on 23rd June, till 8 AM
Confirmed Cases 440,215 (▲14,933)
Active Cases 178,014 (▲3,627)
Cured* 248,190 (▲10,994)
Deaths 14,011 (▲312)
No. of Cases
0 - 500
501 - 2000
2001 - 10000
10001 - 20000
20000+
Deaths
Statewise - Confirmed Cases (3000+)
MAHARASHTRA 135,796 (▲3721)
DELHI 62,655 (▲2909)
TAMIL NADU 62,087 (▲2710)
GUJARAT 27,825 (▲565)
UTTAR PRADESH 18,322 (▲591)
RAJASTHAN 15,232 (▲302)
WEST BENGAL 14,358 (▲413)
MADHYA PRADESH 12,078 (▲175)
HARYANA 11,025 (▲390)
KARNATAKA 9,399 (▲249)
ANDHRA PRADESH 9,372 (▲373)
TELANGANA 8,674 (▲872)
BIHAR 7,825 (▲213)
JAMMU & KASHMIR 6,088 (▲132)
ASSAM 5,586 (▲198)
ODISHA 5,303 (▲143)
PUNJAB 4,235 (▲161)
KERALA 3,310 (▲138)
Previous Cases
Cases in Last 24 hrs
Cured vs. Deaths
67,706
6,283
36,602
2,233
34,112
794
19,909
1,684
11,601
569
11,910
356
8,687
569
9,215
521
5,916
169
5,730
142
4,495
111
4,005
217
5,781
55
3,531
85
3,521
9
3,863
15
2,825
101
1,749
21
Death
Cured
*One migrated case is included in Cured
*▲ indicates increase in the number in the last 24 hrs
@COVIDNewsByMIB

## कोविड-19 से लड़ाई में पीएम केयर्स फंड के अंतर्गत दिए जाएंगे 50,000 मेड इन इंडिया वेंटिलेटर

पीएम केयर्स फंड ट्रस्ट ने सभी राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाए जा रहे कोविड अस्पतालों को 50,000 'मेड इन इंडिया' वेंटिलेटर की आपूर्ति के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके अलावा प्रवासी कामगारों के कल्याण के लिए 1,000 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है।

50,000 वेंटिलेटर में से 30,000 वेंटिलेटर एम/एस भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे हैं। बाकी 20,000 वेंटिलेटर एग्वा हैल्थकेयर (10,000), एएमटीजेड बेसिक (5,650), एएमटीजेड हाई एंड (4,000) और एलायड मेडिकल (350) द्वारा बनाए जा रहे हैं।

अभी तक 2,923 वेंटिलेटर बनाए जा चुके हैं, जिनमें से 1,340 वेंटिलेटरों की आपूर्ति राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों को कर दी गई है। वेंटिलेटर हासिल करने वाले प्रमुख राज्यों में महाराष्ट्र (275), दिल्ली (275), गुजरात (175), बिहार (100), कर्नाटक (90), राजस्थान (75) शामिल हैं। जून, 2020 के अंत तक सभी राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों को अतिरिक्त 14,000 वेंटिलेटर की आपूर्ति कर दी जाएगी।

इसके अलावा प्रवासी कामगारों के कल्याण के लिए राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों को 1,000 करोड़ रुपये की धनराशि पहले ही जारी की जा चुकी है। सभी राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों को 2011 की जनसंख्या के लिए 50 प्रतिशत भार, पॉजिटिव कोविड-19 मामलों की संख्या के लिए 40 प्रतिशत भार और सभी को समान रूप से 10 प्रतिशत के फॉर्मूले के आधार पर कोष का वितरण किया गया है।

इस सहायता को प्रवासियों के आश्रय, खाना, चिकित्सा उपचार और परिवहन की व्यवस्था में उपयोग किया जाना है। इस धनराशि को हासिल करने वालों में महाराष्ट्र (181 करोड़ रुपये), उत्तर प्रदेश (103 करोड़ रुपये), तमिलनाडु (83 करोड़ रुपये), गुजरात (66 करोड़ रुपए), दिल्ली (55 करोड़ रुपये), पश्चिम बंगाल (53 करोड़ रुपये), बिहार (51 करोड़ रुपये), मध्य प्रदेश (50 करोड़ रुपये) राजस्थान (50 करोड़ रुपये) और कर्नाटक (34 करोड़ रुपये) प्रमुख हैं।

**Positive India:**

1- गांव लौटे प्रवासियों ने पेश की मिसाल, बना दी ढाई किमी लंबी सड़क- https://www.jagran.com/uttarakhand/pauri-garhwal-migrants-set-an-example-by-making-two-and-a-half-km-of-road-20423989.html

2- दिल्ली में शुरू हुआ फेविपिराविर दवा से कोरोना का इलाज- https://www.jagran.com/delhi/new-delhi-city-ncr-treatment-of-corona-patients-starts-in-delhi-with-fevipiravir-20423714.html

3- CM योगी आदित्यनाथ का निर्देश ब्लाक स्तर पर स्थापित हों COVID हेल्प डेस्क- https://www.jagran.com/politics/state-fight-against-corona-in-up-cm-yogi-adityanath-directs-formation-of-covid-desk-from-block-level-20426368.html

4- कर्नाटक सरकार ने निजी अस्पतालों में बेड्स शेयरिंग के लिए जारी किया नोटिफिकेशन- https://www.jagran.com/news/national-karnataka-government-issued-notification-for-beds-sharing-in-private-hospitals-20426217.html

5- कोरोना ओवन में सिर्फ आठ मिनट में नष्ट हो रहा वायरस, मेरठ के IIT इंजीनियर के प्रयासों को लगे पंख- https://www.jagran.com/uttar-pradesh/meerut-city-fight-against-corona-virus-being-destroyed-in-corona-oven-in-just-eight-minutes-20425687.html

6- दिल्ली, UP और MP समेत 5 राज्यों में अब-तक 960 COVID केयर ट्रेन तैनात, रेल मंत्रालय ने दी जानकारी- https://www.jagran.com/news/national-railway-ministry-says-960-covid-care-trains-deployed-in-5-states-including-delhi-up-and-mp-so-far-20425667.html

7- कोरोना को हराएगी पतंजलि की 'दिव्य कोरोनील टैबलेट', योगगुरू बाबा रामदेव ने की लॉन्च- https://www.jagran.com/news/national-baba-ramdev-to-launch-first-ayurvedic-anti-corona-drugs-swasari-vati-coronil-from-patanjali-today-20424901.html

8- कोरोना से मौतों में आंकड़ेबाजी से सीएम योगी नाराज, स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को फटकार- https://www.jagran.com/uttar-pradesh/lucknow-city-cm-yogi-adityanath-angry-over-statistics-in-death-from-corona-health-department-officials-rebuked-20424840.html

9- मुख्यमंत्री ने जारी किया कोविड-19 पर तैयार सार-संग्रह- https://www.jagran.com/himachal-pradesh/hamirpur-hp-cm-relese-covid19-compedion-20422887.html

**India Fights Corona (Updates):**

- भारत में पिछले 24 घंटों में COVID19 के 14,933 मामले सामने आए हैं और 312 मौतें हुई हैं। देश में अब कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 4,40,215 हैं जिसमें 1,78,014 सक्रिय मामले, 2,48,190 ठीक/ डिस्चार्ज/विस्थापित मामले और 14,011 मौतें शामिल हैं: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

- 22 जून(कल) तक कुल 71,37,716 सैंपल टेस्ट किए गए। कल 1,87,223 सैंपल टेस्ट किए गए: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)

- राजस्थान में आज सुबह 10:30 बजे तक कोरोना वायरस के 199 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में अब कोरोना वायरस पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 15,431 है, कोरोना वायरस से होने वाली मौतों का आंकड़ा 356 है: राज्य स्वास्थ्य विभाग

- विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा-भारत में एक लाख की आबादी पर विश्व में सबसे कम कोविड-19 मरीज हैं।

- दिल्ली में आज 2909 नए मामले और 58 मौतें रिपोर्ट हुईं। कुल पॉजिटिव केस 62,655 हैं, जिनमें 36602 रिकवर / डिस्चार्ज / माइग्रेटेड केस, 2233 मौतें और 23820 एक्टिव केस शामिल हैं।

- तमिलनाडु में 2,710 COVID19 मामले और 37 मौतों के बाद कुल मामलों की संख्या 62,087 और मरने वालों की संख्या 794 हो गई है। सक्रिय मामलों की संख्या 27,178 है: राज्य स्वास्थ्य विभाग

- पिछले 24 घंटों में गुजरात में COVID19 के 563 नए मामले और 21 मौतें दर्ज़ हुई हैं। राज्य में मामलों की कुल संख्या बढ़कर 27,980 हो गई है जिसमें 19,917 ठीक/डिस्चार्ज और 1,685 मौतें शामिल हैं: राज्य स्वास्थ्य विभाग

- बिहार ने पिछले 24 घंटों में COVID19 के 206 ताजा मामले दर्ज़ किए। कुल मामलों की संख्या 7808 तक पहुंच गई है जिसमें 5767 रिकवर और 52 मौतें शामिल हैं: राज्य स्वास्थ्य विभाग

- देश में कोविड संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर करीब 56 प्रतिशत हुई; दो लाख 37 हजार से अधिक मरीज ठीक हुए।

- कर्नाटक में आज कोरोना वायरस के 249 नए मामले सामने आए हैं और 5 मौतें हुई हैं। राज्य में कोरोना वायरस पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 9,399 है जिसमें 5,730 डिस्चार्ज हो चुके मामले, 3,523 सक्रिय मामले और 142 मौतें शामिल हैं: राज्य स्वास्थ्य विभाग

- अब तक हमारी रिकवरी दर 63.3% है जबकि मृत्यु दर 10 मौतों के साथ 0.16% है। अब तक कंफर्म COVID19 मामले 5586 हैं जिसमें से 2170 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और 3521 मरीज रिकवर हुए हैं: असम के स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्वा सरमा

- चंडीगढ़ में कोरोना वायरस पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या अब 410 है जिसमें 82 सक्रिय मामले, 6 मौतें और 322 ठीक हो चुके मामले शामिल हैं: चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग

- सऊदी अरब ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष कोरोना वायरस महामारी के कारण बहुत सीमित पैमाने पर हज की अनुमति देगा जिसमें देश में रहने वाले सभी देशों के नागरिक शामिल हो सकते हैं।

- मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण जांच के लिए जिलावार व्यापक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत प्रत्येक जिले में गहन सर्वेक्षण किया जाएगा ताकि संक्रमित लोगों की पहचान हो सके।

## Covid-19 Updates (Worldwide):

- South Korea reports 46 new coronavirus cases as it tackles 'second wave': AFP
- Former virus hotspot New York reopens as cases spike elsewhere in US. Nationwide, cases have been rising for the past two weeks following a long plateau, with Florida passing the 100,000 cases mark: AFP
- South Africa on Monday said it had over 100,000 coronavirus cases, the highest in the continent, while the number of deaths inched towards 2,000.
- WHO urges rapid dexamethasone production for critically ill coronavirus patients.
- Number of coronavirus cases worldwide tops 9 million: AFP tally
- Virus cases top nine million as WHO says pandemic is 'accelerating'. Global death toll now over 470,000.
- The former CEO of payments provider Wirecard, Markus Braun, has been arrested on suspicion of market manipulation, German prosecutors say, after the firm admitted 1.9 billion euros missing from its accounts likely "do not exist".
- Saudi Arabia will allow around 1,000 pilgrims residing in the kingdom to perform the hajj this year, a minister said Tuesday, after it announced the ritual would be scaled back due to coronavirus
- The Chinese foreign ministry says that it resolutely opposes the use of the virus origin to stigmatise any country after US president Donald Trump called COVID-19 "kung flu" during a rally.
- UK lowers Covid-19 alert level in what the health secretary describes as a "big moment for the country"

## लॉकडाउन से बाहर निकला कोल सैक्टर

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की 41 कोयला खदानों के व्यावसायिक खनन के लिए डिजिटल नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही कोल सैक्टर कई दशकों के बाद लॉकडाउन से बाहर आ गया है। यद्यपि कोयला खदानों के व्यावसायिक खनन का विरोध भी हो रहा था। कोयला खदानों के समीप रहने वाले लोगों का कहना था कि इससे उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। प्रधानमंत्री ने इन लोगों की चिंताओं को दरकिनार करते हुए निजी क्षेत्र को  खनन की अनुमति इसलिए दी क्योंकि कोयला खदानों की नीलामी से अगले पांच-सात वर्षों में 33 हजार करोड़ के पूंजीगत निवेश की उम्मीद है।
- भारत कोयला भंडार के हिसाब से दुनिया का चौथा बड़ा देश है जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक है लेकिन  कोयले का निर्यात नहीं करता बल्कि भारत दुनिया का दूसरा बड़ा कोयला आयातक है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल तो यह है कि हम दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक हैं तो हम सबसे बड़े निर्यातक क्यों नहीं बन सकते। कोयला खदानों की नीलामी प्रक्रिया से राज्यों की आय बढ़ेगी, सुदूर इलाकों का विकास होगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह फैसला एक तरह से बड़ा कोयला भंडार रखने वाले देश के संसाधनों को सरकारी जकड़न से निकालने वाला है। देश में कोयला उत्पादन को एक अरब टन तक पहुंचाने के लिए करोड़ों का निवेश किया गया है। इसमें 70 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और 2.10 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की सम्भावना है।
- नई पीढ़ी ने तो गैस ही देखी है। बुजुर्ग लोग जानते हैं कि कभी उन्हें घर का खाना बनाने के लिए कोयला खरीदने, मिट्टी का तेल खरीदने के लिए लाइनों में लगना पड़ता था। कोयले की ब्लैक भी जम कर होती थी। ढलाई उद्योग वाले कोयले के लिए मारे-मारे फिरते थे। पहले कोयला खदानें निजी होती थीं।
- इंदिरा गांधी के शासन काल में कोयला खदानों का निजीकरण दो चरणों में पूरा किया गया। 1971-72 में पहले कोककर कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया गया और फिर 1973 में अकोककर कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया गया। राष्ट्रीयकरण इस लिए किया गया था कि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के लिए निजी कोयला खान मालिक पर्याप्त पूंजी निवेश नहीं कर रहे थे।
- कोयला खनन के लिए अवैज्ञानिक तरीके अपनाए जाते थे, निजी कोयला खदानों में मजदूरों का जमकर शोषण किया जाता था। कोल माफिया इतना प्रभावशाली था कि

उसके सामने सरकारें भी घुटने टेक देती थीं। कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण 1970 के प्रारम्भिक दशक में दो संबद्ध घटनाओं का परिणाम था। पहली, तेल की कीमत में जबरदस्त इजाफा हुआ जिससे देश को अपने ऊर्जा विकल्पों की खोज करने के लिए विवश होना पड़ा। दूसरी, इस क्षेत्र के विकास के लिए काफी निवेश की आवश्यकता थी जो कोयला खनन से आ नहीं सकता था क्योंकि यह अधिकांश निजी क्षेत्र के हाथों में था। कोयला क्षेत्र के राष्ट्रीयकरण के बाद कोयले का इस्तेमाल करने वाले उद्योगों के लिए कोयले का कोटा तय किया गया ताकि उनकी जरूरतें पूरी हो सकें।

- देश के संसाधनों को जकड़न में रखने की नीतियों के चलते कोल सैक्टर भ्रष्टाचार और घोटालों का शिकार हो गया। वर्ष 2012 में यह मामला सामने आया था। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने प्रतिस्पर्धी बोली की बजाय मनमाने ढंग से कोयला ब्लॉकों का आवंटन किया जिसके चलते सरकारी खजाने को 1.86 लाख करोड़ के नुक्सान का आरोप लगाया गया।
- इस घोटाले की आंच मनमोहन सिंह तक भी पहुंची थी। नरेन्द्र मोदी सरकार ने कोयला खदानों का आवंटन प्रतिस्पर्धी बोली से कराने का फैसला किया जिसमें सरकार को काफी राजस्व मिला। सरकार ने कोल सैक्टर के लिए पारदर्शी नीतियां बनाईं। कोरोना काल में केन्द्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रवासी मजदूरों को रोजगार दिलाना है और औद्योगिक विकास को तेज करना है। सरकार ने 2030 तक करीब दस करोड़ टन कोयले को गैस में बदलने का लक्ष्य भी रखा है।
- देश को ऊर्जा की भी आवश्यकता है। इसीलिए सरकार ने कोयला और खनन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, पूंजी और प्रौद्योगिकी लाने के लिए इसे पूरी तरह खोलने का फैसला किया है। इस समय देश के एक-एक क्षेत्र को फिर से खड़ा करने की जरूरत है। कोल सैक्टर यदि मजदूरों को रोजगार दिलाने में सहायक बनता है तो इससे बड़ी राहत मिलेगी।

https://punjabkesari.com/editorial/coal-sector-exited-from-lockdown/

**Prepared By:**

**Adarsh Tiwari**

**Abhay Singh**

**Manujam Pandey**